

व्याख्यात्मक टिप्पणी

1. यह पुस्तिका अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के प्रधान कार्यालयों से प्राप्त, मूल सांख्यिकी विवरणी-7 पर आधारित जून 2004 के अंतिम शुक्रवार की स्थिति अनुसार कुल जमाराशियों और सकल बैंक ऋण के शाखावार आंकड़े प्रस्तुत करती है। सितम्बर 2003 से प्रकाशन का नाम ``बैंकिंग सांख्यिकी-तिमाही पुस्तिका`` से परिवर्तित कर ``अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशियां एवं ऋण की तिमाही सांख्यिकी`` कर दिया गया है।
2. कुल जमाराशियाँ बैंक के मांग तथा मीयादी दायित्व को दर्शाती है, जिनमें अंतर बैंक जमाराशियां और इंडिया मिलेनियम जमाराशियों के आंकड़े शामिल नहीं हैं। सकल बैंक ऋण में आर.बी.आय. अक्ट 1934 के सेक्शन 42(2) के पाक्षिक विवरणी फार्म ए के अंतर्गत सभी बैंकों के ऋण, (जिनमें अंतर बैंक अग्रिम शामिल नहीं है) तथा भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक और अन्य वित्तीय संस्था के साथ पुनः भुनाये गये बिल सम्मिलित हैं।
3. जिन शाखाओं ने इस तिमाही में आंकड़े सूचित नहीं किये हैं उनके संबंध में नवीनतम तिमाही से उपलब्ध आंकड़े लिये गये हैं।
4. विवरण सं. 2 में प्रथम 100 केन्द्रों के आंकड़े दिखाये गये हैं। केन्द्रों को उनकी कुल जमाराशियों की मात्रा और सकल बैंक ऋण की मात्रा के अनुसार क्रमवार रखा गया है। वे केन्द्र जो कुल जमाराशियों अथवा सकल बैंक ऋण, किन्तु दोनों नहीं के अनुसार प्रथम सौ केन्द्रों में आते हैं उनके ऋण राशि अथवा जमाराशि, जैसी स्थिति हो, के आंकड़े इस विवरण में कोष्ठकों में दिखाए गए हैं।
5. विवरण सं. 4 से 9 में अलग-अलग बैंक समूहों की कुल जमाराशियों और सकल बैंक ऋण के राज्यवार और जनसंख्या समूहवार वितरण के आंकड़े दिखाये गये हैं। भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को उनके स्वामित्व और/अथवा उनके परिचालन की प्रकृति के अनुसार पांच बैंक समूहों में श्रेणीबद्ध किया गया है। ये बैंक समूह हैं (i) भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंक (ii) राष्ट्रीयकृत बैंक (iii) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (iv) विदेशी बैंक और (v) अन्य भारतीय अनुसूचित वाणिज्य बैंक। इन विवरणों में कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े महानगरीय केन्द्रों से संबंधित हैं।
6. केन्द्र वह है जिसे संबंधित राज्य सरकार, राजस्व इकाई (रेवेन्यू यूनिट) के रूप में वर्गीकृत करे अर्थात् कोई राजस्व गांव/नगर/शहर/नगरपालिका/नगरनिगम आदि जैसा मामला हो, जिसमें शाखा स्थित है।
7. इस संस्करण में प्रस्तुत बैंकीकृत केन्द्रों के जनसंख्या समूह 1991 की जनगणना पर आधारित है। जनसंख्या समूह नीचे लिखे अनुसार परिभाषित किये गये हैं :-
 - i) 'ग्रामीण' समूह में वे केन्द्र शामिल हैं जिनकी जनसंख्या 10,000 से कम है।
 - ii) 'अर्ध-शहरी' समूह में 10,000 और उससे अधिक परंतु एक लाख से कम की जनसंख्या वाले केन्द्र शामिल हैं।
 - iii) 'शहरी' समूह में एक लाख और उससे अधिक परंतु 10 लाख से कम की जनसंख्या वाले केन्द्र शामिल हैं।
 - iv) 'महानगरीय' समूह में 10 लाख और अधिक की जनसंख्या वाले समूह शामिल हैं।
8. आंकड़ों के पूर्णांकन के कारण घटक मदों की राशि से विवरणियों के कुल जोड़ का पूरी तरह मिलान संभव नहीं है। कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े, सामान्यतः कुल का प्रतिशत दर्शाते हैं। एक करोड़ यूनिट 10 मिलियन के बराबर है।
9. '- 'कुछ नहीं' या 'नगण्य' का सूचक है।

EXPLANATORY NOTES

- 1.** The publication presents data on Aggregate Deposits and Gross Bank Credit of Scheduled Commercial Banks based on Basic Statistical Return-7 giving branch-wise data received from the Head Offices of the banks, as on the last Friday of June 2004. The name of the publication has been changed from “Quartely Handout-Banking Statistics” to “Quarterly Statistics on Deposits and Credit of Scheduled Commercial Banks” from September 2003.
- 2.** The Aggregate Deposits represent the demand and time liabilities of a bank (excluding inter-bank deposits and India Millennium Deposits). The Gross Bank Credit represents bank credit (excluding inter-bank advances) as per Form A return under Sec 42 (2) of RBI Act, 1934 together with outstanding amount of bills rediscounted with the Reserve Bank of India, Industrial Development Bank of India and other Financial Institutions.
- 3.** The data from the latest available quarter have been substituted in respect of branches, which did not report the data for the current quarter.
- 4.** Statement 2 presents the data for the top 100 Centres ranked according to the size of their Aggregate Deposits and Gross Bank Credit. In the case of Centres, which come within the first 100 Centres either in terms of Aggregate Deposits or Gross Bank Credit but not both, the figures of credit or deposits, as the case may be, of such centres are shown in brackets in this statement.
- 5.** Statements 4 to 9 present the data on State-wise and Population Group-wise distribution of Aggregate Deposits and Gross Bank Credit for individual bank-groups. Scheduled Commercial Banks in India are categorised into five bank groups according to their ownership and/or nature of operation. These bank groups are (i) State Bank of India and its Associates, (ii) Nationalised Banks, (iii) Foreign Banks, (iv) Regional Rural Banks and (v) Other Scheduled Commercial Banks. Figures in brackets shown in these statements relate to Metropolitan Centres.
- 6.** A Centre is defined as the revenue unit classified and delineated by the respective State Government i.e., a revenue village/city/town/municipality/municipal corporation, etc., as the case may be, in which the branch is situated.
- 7.** The Population Group classification of bank Centres are based on 1991 Census data. The Population Groups are defined as under :
 - i) ‘Rural’ group includes centres with population of less than 10,000.
 - ii) ‘Semi-Urban’ group includes centres with population of 10,000 and above but less than 1 lakh.
 - iii) ‘Urban’ group includes centres with population of 1 lakh and above but less than 10 lakh.
 - iv) ‘Metropolitan’ group includes all centres with population of 10 lakh and above.
- 8.** The totals in these statements may not exactly tally with the sum of the constituent items on account of rounding off the figures. The unit one crore is equal to 10 million.
- 9.** “-” indicates nil or negligible.